महाराजा सुहेल देव राज्य विश्वविद्यालय
आजमगढ, उ0 प्र0

(प्री–पी0 एच0–डी0) कोर्स वर्क हेतु निर्धारित पाठ्यक्रम

विषय– हिन्दी

(राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के अनुसार सत्र 2022–23 से प्रभावी)

प्रो० कंचन राय
संयोजक हिन्दी अध्ययन परिषद
महाराजा सुहेलदेव राज्य [illegible]
आजमगढ़

प्रो० कंचन राय

संयोजक, हिन्दी अध्ययन परिषद

महाराजा सुहेलदेव राज्य विश्वविद्यालय

आजमगढ़ उ0प्र0

हिन्दी अध्ययन परिषद्
महाराजा सुहेल देव राज्य विश्वविद्यालय, आजमगढ

क्र. सं0	अध्ययन परिषद के सदस्यों के नाम	पदनाम	स्थिति	विभाग	कालेज / विश्वविद्यालय
1.	प्रो0 कंचन राय	प्रोफ़ेसर	संयोजक एवं सदस्य (पी.जी.)	हिन्दी	डी0 सी0 एस0 के0 पी0 जी0 कालेज, मऊ
2.	प्रो0 परवीन निजाम अंसारी	प्रोफ़ेसर	सदस्य (पी.जी.)	हिन्दी	शिब्ली नेशनल कॉलेज आजमगढ़
3.	प्रो0 गीता सिंह	प्रोफ़ेसर	सदस्य (पी.जी.)	हिन्दी	डी0 ए0 वी0 पी0 जी0 कॉलेज आजमगढ़
4.	प्रो0 शिखा तिवारी	प्रोफ़ेसर	सदस्य (पी.जी.)	हिन्दी	डी0 सी0 एस0 के0 पी0 जी0 कालेज, मऊ
5	प्रो0 देवेन्द्र प्रताप सिंह	प्रोफ़ेसर	सदस्य (यू.जी.)	हिन्दी	कूबा पी0 जी0 कॉलेज दरियापुर नेवादा आजमगढ़
6	डॉ0 निर्मला सिंह	एसो0 प्रो0	सदस्य (यू.जी.)	हिन्दी	मर्यादा पुरुषोत्तम पी0 जी0 कॉलेज भुड़सुरी, रतनपुरा, मऊ
7	डॉ0 मदन मोहन पाण्डेय	एसो0 प्रो0	सदस्य (यू.जी.)	हिन्दी	श्री शिवा जी डिग्री कॉलेज तेरहीं कप्तानगंज, आजमगढ़
8	प्रो0 वशिष्ट द्विवेदी	प्रोफ़ेसर	वाह्य विशेषज्ञ	हिन्दी	काशी हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणसी
9	प्रो0 राकेश सिंह	प्रोफ़ेसर	वाह्य विशेषज्ञ	हिन्दी	इलाहाबाद विश्वविद्यालय इलाहाबाद

कुलसचिव कार्यालय द्वारा जारी पत्र के पत्रांक संख्या– 2150 / कु0 का0 / 2023 एवं माननीय कुलपति महोदय के आदेश दिनांक 11 / 09 / 2023 द्वारा नामित बी0 ए0 / **एम0 ए0 हिन्दी अध्ययन परिषद्** के संयोजक सहित बाह्य विषय–विशेषज्ञों एवं सदस्यों द्वारा कारित एवं पारित–

सदस्यों के हस्ताक्षर

प्रो0 कंचन राय (संयोजक)	
प्रो0 परवीन निजाम अंसारी	
प्रो0 गीता सिंह	
प्रो0 शिखा तिवारी	
प्रो0 देवेन्द्र प्रताप सिंह	
डॉ0 निर्मला सिंह	
डॉ0 मदन मोहन पाण्डेय	
प्रो0 वशिष्ट द्विवेदी	
प्रो0 राकेश सिंह	

महाराजा सुहेल देव राज्य विश्वविद्यालय, आजमगढ़ हेतु
राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 में जारी दिशा–निर्देशों के अनुरूप
(प्री–पी0 एच0–डी0 कोर्स वर्क) पाठ्यक्रम
विषय– हिन्दी
सत्र– 2022–2023 से लागू

निर्देश–

- इस पाठ्यक्रम में कुल तीन प्रश्नपत्र होंगे, जिसमें से दो प्रश्नपत्र सम्बन्धित मुख्य विषय से होगा तथा एक प्रश्नपत्र शोध–प्रविधि का होगा।
- मुख्य विषय से सम्बन्धित दोनों प्रश्नपत्रों के पाठ्यक्रम के लिए 6, 6 क्रेडिट का निर्धारण किया गया है तथा शोध–प्रविधि वाले अन्य प्रश्नपत्र के लिए 4 क्रेडिट का निर्धारण किया गया है।
- 16 क्रेडिट के कुल तीन प्रश्नपत्र होंगे। हिन्दी विषय में शोध हेतु पंजीकृत अभ्यर्थियों को उन तीनों प्रश्नपत्रों को न्यूनतम 55 प्रतिशत अंको के साथ उत्तीर्ण करना अनिवार्य होगा।
- तीनों प्रश्नपत्रों के मूल्यांकन हेतु 25 अंकों की आन्तरिक परीक्षा व 75 अंको की लिखित परीक्षा होगी।
- उपर्युक्त तीन प्रश्नपत्रों के अतिरिक्त एक शोध–परियोजना भी अभ्यर्थियों को प्रस्तुत करनी होगी, जो उनके शोध हेतु प्रस्तावित विषयक्षेत्र से ही सम्बन्धित होगी। जिसके लिए अभ्यर्थियों को स्वतन्त्रता होगी कि, वह अपने शोधविषय से सम्बन्धित किसी एक अंश पर परियोजना प्रस्तुत करें।
- शोध–परियोजना के मूल्यांकन हेतु 25 अंक का आन्तरिक मूल्यांकन व 50 अंको में उनकी परियोजना व उसका प्रस्तुतिकरण तथा 25 अंक उनके साक्षात्कार के लिए निर्धारित किये गये हैं।
- (प्री–पी०एच०–डी० कोर्स वर्क) के शोधार्थी की ग्रेडशीट पर शोध–परियोजना के प्राप्तांकों पर आधारित ग्रेड तो अंकित होंगे, परन्तु उन्हें (सी0जी0पी0ए0) की गणना में सम्मिलित नहीं किया जायेगा।
- (प्री–पी०एच०–डी० कोर्स वर्क) में 16 क्रेडिट अर्जित करने वाले अभ्यर्थी ही उस मुख्य विषय में प्राप्त होने वाले प्रमाणपत्र (Post Graduate Diploma in Research- PGDR) के लिए अर्ह होंगे।
- (प्री–पी०एच०–डी० कोर्स वर्क) उत्तीर्ण करने के पश्चात् ही शोधार्थी को (पी0एच0–डी0) कार्यक्रम में शोध के लिए पंजीकृत किया जायेगा।

(प्री–पी0 एच0–डी0 कोर्स वर्क) पाठ्यक्रम

विषय– हिन्दी

सेमेस्टर– 11

प्रश्नपत्र विवरण

प्रश्नपत्र/ कोर्स	प्रश्नपत्र/ कोर्स कोड	प्रश्नपत्र का शीर्षक	लिखित/ प्रायोगिक	कालांश/ व्याख्यान	पूर्णांक	क्रेडिट
प्रथम	A011101T	**वैचारिक एवं सैद्धांतिक विकास**	लिखित	90	25+75=100	6
द्वितीय	A011102T	**समसामयिक शोध सन्दर्भ**	लिखित	90	25+75=100	6
तृतीय	A011103T	**शोध प्रविधि एवं कम्प्यूटर**	लिखित	60	25+75=100	4
चतुर्थ	A011104R	**शोध परियोजना**	प्रायोगिक	–	25+50+25=100 आन्तरिक, परियोजना व प्रस्तुतीकरण, साक्षात्कार	–

प्रश्नपत्र एवं मूल्यांकन का स्वरूप इस प्रकार होगा

समय : 03 घण्टा

प्रश्न के प्रकार	प्रश्नों की कुल संख्या	प्रश्नों की अनिवार्यता	अधिकतम अंक 75 प्रश्न×अंक
अति लघूत्तरीय प्रश्न (50 शब्दों में)	10	10	10×2=20
लघूत्तरीय प्रश्न (200 शब्दों में)	8	5	5×7=35
दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (500 शब्दों में)	4	2	2×10=20

Programme/Class: **Diploma** कार्यक्रम / वर्ग–**डिप्लोमा** **Post Graduate Diploma in Research (PGDR)**	Year– **Six** वर्ष– **षष्ठम्**	Semester- **XI** सेमेस्टर– **ग्यारह**

विषय– हिन्दी

प्रश्न पत्र कोड– **A011101T**	प्रश्न पत्र शीर्षक– **प्रथम प्रश्नपत्र** **(वैचारिक एवं सैद्धांतिक विकास)**

Course outcomes: **अधिगम उपलब्धि–**

- प्रस्तुत पाठ्यक्रम की सहायता से शोध में प्रवेश लेने वाले शोधार्थियों में हिन्दी भाषा का विकास, उसके स्वरूप व शब्दसम्पदा को देखने व समझने की शोधपरक सूक्ष्मदृष्टि विकसित होगी।
- हिन्दी साहित्य के क्षेत्र में होने वाले आधुनिक प्रयोगो व अवधारणाओं से उनका परिचय होगा।
- विपुल हिन्दी साहित्य के वर्गीकृत स्वरूप को समझते हुए, उनमें क्या–क्या शोध संभावनाएँ है? इस दृष्टि से विचार करने की क्षमता विकसित होगी।
- साहित्य के सामाजिक सारोकार को समझते हुए उनमें साहित्य लेखन की प्रवृत्ति विकसित होगी, जिससे भावी शोध संभावनाओं का भी उद्भव होगा।
- भक्तिकालीन काव्यों तथा समाज में उनका पड़ने वाला प्रभाव, साहित्य समीक्षा, आलोचना, तथा हिन्दी साहित्य के विविध आयामों को, वैश्विक प्ररिप्रेक्ष्य में शोधार्थी देख सकेंगे।

Credits: **6**	**Core Compulsory**
Max. Marks: **25 + 75**	Min. Passing Marks: **55**

Total No. of Lectures – Tutorials – Practical (in hours per week): L-T-P: **6-0-0.** **(90 hrs)**

Unit इकाई	**Topics** पाठ्य विषय	**No. of Lectures** व्याख्यान संख्या
i	हिन्दी भाषा का विकास, बोलियाँ, शब्द–सम्पदा, देवनागरी लिपि; साहित्यशास्त्र– स्वरूप, परंपरा एवं आधुनिक संदर्भ, विभिन्न सम्प्रदाय– (रस, अलंकार, रीति, ध्वनि, वक्रोक्ति, औचित्य)	15

ii	हिन्दी साहित्य का आदिकालीन काव्य, नाथ साहित्य, सिद्ध साहित्य एवं जैन साहित्य, मध्यकालीन बोध का स्वरूप, भक्तिकाल की सामाजिक और सांस्कृतिक परिस्थितियाँ, भक्ति आंदोलन और लोक चेतना, विभिन्न दार्शनिक मत– द्वैतवाद, अद्वैतवाद, दैताद्वैतवाद, शुद्धाद्वैतवाद, विशिष्टाद्वैतवाद	15
iii	सूफ़ी मत का विकास, सूफ़ी काव्य में भारतीय संस्कृति एवं लोक जीवन, पुष्टिमार्ग के सिद्धांत, कबीर और जायसी का साहित्यिक एवं सांस्कृतिक अवदान, संत कवियों की लोक चेतना	15
iv	राम भक्ति–काव्य एवं कृष्ण भक्ति–काव्य में चित्रित भारतीय संस्कृति और लोक जीवन, सूरदास और उनकी लोक दृष्टि, तुलसीदास का समन्वयवाद, भक्तिकाव्य का साहित्यिक एवं सांस्कृतिक अवदान, रीतिकालीन कवियों की लोक चेतना	15
v	हिंदी साहित्य का इतिहास, हिंदी साहित्य के इतिहास लेखन की परंपरा, हिंदी आलोचना, हिंदी कथा साहित्य, कथेतर गद्य लेखन परंपरा	15
vi	समकालीन साहित्य के विविध संदर्भ स्त्री–विमर्श, दलित–विमर्श, वृद्ध–विमर्श, किसान–विमर्श, आदिवासी–विमर्श हिन्दी साहित्य में सामाजिक चिंतन के विविध आयाम	15

संस्तुत ग्रंथ–

- तिवारी उदय नारायन, हिन्दी भाषा उद्भव और विकास।
- तिवारी भोलानाथ, हिन्दी भाषाशास्त्र।
- शुक्ल रामचन्द्र, हिन्दी साहित्य का इतिहास।
- चतुर्वेदी रामस्वरूप, हिन्दी साहित्य और संवेदना का विकास।
- द्विवेदी हजारी प्रसाद, हिन्दी साहित्य का आदि काव्य।

- सिंह वासुदेव, हिन्दी साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास।
- दूबे जगदम्बा प्रसाद, राम काव्य परम्परा।
- वाजपेयी नन्द दुलारे, महाकवि सूरदास।
- मिश्र विश्वनाथ प्रसाद, हिन्दी साहित्य का अतीत।
- त्रिपाठी विश्वनाथ, हिन्दी आलोचना।
- पाण्डेय चंद्रबली, तवस्सुफ़ अथवा सूफ़ीमत।
- ओझा दशरथ, हिन्दी नाटक उद्भव और विकास।
- सिंह बच्चन, आलोचक और आलोचना।
- पाण्डेय शर्वेश, हिन्दी भाषा की संरचना।
- सिंह गीता, हिन्दी साहित्य का आदि और मध्यकाल।

This Couse can be opted as an elective by the students of following subjects:

सभी के लिए उपलब्ध (OPEN TO ALL)

प्रस्तावित सतत मूल्यांकन–

लिखित परीक्षा (वस्तुनिष्ठ/लघु उत्तरीय) 25 अंक

Course prerequisites:

सभी के लिए उपलब्ध (OPEN TO ALL)

Suggested equivalent online courses:

....

Further Suggestions:

....

Programme/Class: **Diploma** कार्यक्रम / वर्ग–**डिप्लोमा** **Post Graduate Diploma in Research (PGDR)**	Year– **Six** वर्ष– **षष्ठम्**	Semester- **XI** सेमेस्टर– **ग्यारह**

विषय– हिन्दी

प्रश्न पत्र कोड– **A011102T**	प्रश्न पत्र शीर्षक– **द्वितीय प्रश्नपत्र (समसामयिक शोध सन्दर्भ)**

Course outcomes: **अधिगम उपलब्धि–**

- हिन्दी साहित्य में आधुनिकता बोध तथा अत्याधुनिकता की संकल्पनाओं को शोधार्थी समझ पायेंगे, जिससे उनमें नवीन शोधपरक दृष्टि विकसित होगी।
- साहित्य के पुनर्जागरणकाल की अवधारणाओं, लोकतन्त्र के कल्याणकारी स्वरूप निर्माण में हिन्दी साहित्य की भूमिका को देखने व समझने में सक्षम होंगे।
- भारतीय मन्तव्यों में गांधीवाद आदि तथा पाश्चात्य मन्तव्यों में मार्क्सवाद आदि को भलीभाँति समझकर परवर्ती साहित्य पर पड़ने वाले उनके प्रभाव का आकलन करने में शोधार्थी समर्थ होंगे।
- हिन्दी साहित्य के क्षेत्र में हो रहे नवीन शोधों एवं विमर्शों पर विचार करते हुए उनमें शोध संभावनाएँ तलाश करने में सक्षम होंगे।
- कार्यालयीय भाषा व उसके साहित्य की समझ, मीडिया साहित्य, चलचित्र में प्रयुक्त तकनीकी शब्दावलियों से उनका परिचय होगा, जिससे उन क्षेत्रों में भी वे शोध संभावनाएँ तलाश कर पायेंगे।

Credits: **6**	**Core Compulsory**
Max. Marks: **25 + 75**	Min. Passing Marks: **55**

Total No. of Lectures – Tutorials – Practical (in hours per week): L-T-P: **6-0-0.** **(90 hrs)**

Unit इकाई	**Topics** पाठ्य विषय	**No. of Lectures** व्याख्यान संख्या
i	आधुनिक बोध का स्वरूप परंपरा और आधुनिकता, मध्ययुगीन बोध और आधुनिक बोध में साम्य और वैषम्य, राष्ट्रीयता और अन्तर्राष्ट्रीयता	15

ii	पुनर्जागरण काल एवं भारतेंदु का काव्य, द्विवेदी युग, छायावाद व अध्यात्मवाद, गांधीवाद, लोकतंत्र का कल्याणकारी स्वरूप एवं भारतीय लोकतंत्र	15
iii	मार्क्सवाद, मनोविश्लेषणवाद, अस्तित्ववाद, उत्तर आधुनिकतावाद, विखंडनवाद, समाजवाद	15
iv	आंचलिकता और महानगरीय बोध, भूमंडलीकरण, साहित्य का समाजशास्त्र, साहित्य का इतिहास दर्शन, साहित्य का मनोवैज्ञानिक अध्ययन, साहित्य का सांस्कृतिक अध्ययन	15
v	प्रयोजनमूलक हिंदी और मीडिया, मीडिया और समाज, साहित्य और मीडिया, साहित्य और चलचित्र, हिंदी साहित्य के विकास में जनसंचार माध्यमों का योगदान	15
vi	साहित्यिक शोध के सामाजिक सरोकार, मानवता, विश्वबंधुत्व, राष्ट्रीय एकता और राष्ट्र प्रेम, साहित्यिक सृजन के विविध सरोकार	15

संस्तुत ग्रंथ–

1. सिंह नामवर, छायावाद।
2. सिंह ओम प्रकाश, आधुनिक काव्य धारा विचार और दृष्टि।
3. सिंह उदयभानु, महावीर प्रसाद द्विवेदी और उनका युग।
4. शर्मा राम विलास, महावीर प्रसाद द्विवेदी और नवजागरण।
5. सिंह कन्हैया, आधुनिक कविता परिप्रेक्ष्य।
6. गुप्त विद्यानाथ, हिन्दी कविता में राष्ट्रीय भावना।
7. पाण्डेय शर्वेश, प्रयोजन मूलक हिन्दी।
8. दुबे इन्दुमती, हिन्दी साहित्य में आधुनिकता बोध डॉ0 शिव प्रसाद का कथा साहित्य।
9. मिश्र भगवतव्रत, संत रैदास और उनका पंथ।
10. सिंह वासुदेव एवं सिंह जयदेव, का 'कबीर वाङ्मय'।

This Couse can be opted as an elective by the students of following subjects:

सभी के लिए उपलब्ध (OPEN TO ALL)

प्रस्तावित सतत मूल्यांकन–

लिखित परीक्षा (वस्तुनिष्ठ/लघु उत्तरीय) 25 अंक

Course prerequisites:

सभी के लिए उपलब्ध (OPEN TO ALL)

Suggested equivalent online courses:

....

Further Suggestions:

....

Programme/Class: **Diploma** कार्यक्रम / वर्ग–**डिप्लोमा** **Post Graduate Diploma in Research (PGDR)**	Year– **Six** वर्ष– **षष्ठम्**	Semester- **XI** सेमेस्टर– **ग्यारह**

विषय– हिन्दी

प्रश्न पत्र कोड– **A011103T**	प्रश्न पत्र शीर्षक– **तृतीय प्रश्नपत्र (शोध–प्रविधि एवं कम्प्यूटर)**

Course outcomes: **अधिगम उपलब्धि–**

- इस पाठ्यक्रम की सहायता से शोध में प्रवेश लेने वाले छात्र अपने विषयगत शोध से सम्बन्धित साधारण समझ विकसित करने में सक्षम होंगे।
- शोधार्थियों में उनके शोध के विषय–क्षेत्र से सम्बन्धित शोध–प्रारूप, शोध–सामग्री संकलन, उनका वर्गीकरण व उनका प्रस्तुतीकरण कैसे करना है? साहित्यिक चोरी से कैसे बचा जा सकता है? इसकी सूक्ष्मदृष्टि विकसित होगी।
- विविध प्रकार की शोधकार्यों में प्रयोग में लायी जाने वाली शोध–प्रविधियों से उनका परिचय होगा तथा उन्हें उनके स्वयं के शोध हेतु, किन–किन प्रविधियों को प्रयोग में लाना है। इसकी समझ विकसित होगी।
- शोधार्थियों में शोध–प्रबन्ध को लिखने में प्रयोग में लायी जाने वाली विविध शब्दावलियों, तकनीकों की साधारण समझ विकसित होगी।
- पाठ–लेखन, अनुच्छेद–लेखन, भूमिका–लेखन, उपसंहार–लेखन, प्रूफ संशोधन तथा उससे सम्बन्धित संकेत–चिन्हों का ज्ञान प्राप्त कर अपने शोध–प्रबन्ध को मूर्तरूप देने मे सक्षम होंगे।

Credits: **4**	**Core Compulsory**
Max. Marks: **25 + 75**	Min. Passing Marks: **55**

Total No. of Lectures – Tutorials – Practical (in hours per week): L-T-P: **6-0-0.** **(60 hrs)**

Unit इकाई	**Topics** पाठ्य विषय	**No. of Lectures** व्याख्यान संख्या

i	शोध की परिभाषा, उद्देश्य एवं महत्त्व, अवधारणाएँ, शोध के विविध सोपान, शोध–प्रक्रिया शोध की रूपरेखा, शोध के विविध प्रकार, विविध शोध–पद्धतियाँ	10
ii	विषय–निर्वाचन पद्धति निर्वाचित विषय में किये गये शोधकार्यों का सर्वेक्षण आलोचना एवं समीक्षा, शोध के प्राथमिक, द्वितीयक एवं ई–स्रोतों की पहचान, साहित्यिक चोरी, शोध–सामग्री संकलन, संकलन की पद्धति, शोध–सामग्रियों का वर्गीकरण एवं प्रस्तुतिकरण	10
iii	पाद–टिप्पणी, संकेताक्षर–सूची, सन्दर्भग्रन्थ–सूची, अन्तर्जाल–सूची, संन्दर्भसूची निर्माण प्रक्रिया परिशिष्ट एवं अनुक्रमणिकाएँ, विषयसूची, भूमिका–लेखन, उपसंहार–लेखन	10
iv	शोध–प्रबन्ध की रूपरेखा, विन्यास–विधि, शोध के घटक साहित्य के क्षेत्र में प्रयोग में लायी जाने वाली शोध–प्रविधियाँ प्रूफ–रीडिंग, डायक्रीटिकल–मार्क्स प्रूफ–रीडिंग के संकेत–चिन्ह	10
v	शोध विषयक सन्दर्भ ग्रन्थ, कोशग्रन्थ, विश्वकोश, हस्तलेख, हस्तलिखित ग्रन्थों में भ्रष्टता के कारण, पाठ–निर्धारण पाठालोचन के सिद्धान्त, हस्तलिखित ग्रन्थों के सम्पादन की पद्धति	10
vi	शोध से सम्बद्ध संगणकीय उपकरणों का परिचय, सम्बन्धित टाइपिंग टूल्स, साफ्टवेयर एवं उनका उपयोग, बेव खोज तकनीक एवं मुख्य सर्च इंजन, गूगल स्कालर, शोधगंगा, डीजिटल लाइब्रेरी ऑफ इण्डिया, आर्काइव	10

संस्तुत ग्रन्थ–

- अनुसन्धानस्य प्रविधि–प्रक्रिया, नगेन्द्र, राष्ट्रीय संस्कृत संस्थानम् नवदेहली 2010।
- शोधप्रविधि एवं पाण्डुलिपि विज्ञान, प्रो० अभिराज राजेन्द्र मिश्र, अक्षयवट प्रकाशन, इलाहाबाद 2008।
- अनुसन्धान का विवेचन, डॉ० उदयभान सिंह, वागीश्वरी प्रकाशन जगदीशपुर, जौनपुर, प्र0 सं0 1962।
- पाण्डुलिपि विज्ञान, डॉ० सत्येन्द्र, राजस्थान हिन्दीग्रन्थ अकादमी जयपुर, प्र0 सं0 1978।
- शोधप्रविधि, डॉ० विनयमोहन शर्मा, नेशनल पब्लिशिंग हाउस दिल्ली, प्र0 सं0 1973।
- कम्प्यूटर एक परिचय, गौरव अग्रवाल, शिवा प्रकाशन इन्दौर।
- कम्प्यूटर फण्डामेण्टल, पी0 के0 सिन्हा, पी0 पी0 बी0 पब्लीकेशन नई दिल्ली।
- कुछ महत्त्वपूर्ण लिंक–
- https://ncert.nic.in/textbook/pdf/khct102.pdf
- https://shodhganga.inflibnet.ac.in/
- https://en.wikipedia.org/wiki/List_of_style_guides
- https://ndl.iitkgp.ac.in/
- https://www.google.com/inputtools/try/
- https://www.easyhindityping.com/
- https://www.quillpad.in/editor.html#.VSYddvmUdkA
- https://hindi.changathi.com/
- https://www.hindietools.com/
- https://www.google.com/inputtools/services/features/input-method.html
- https://www.google.com/inputtools/services/features/input-method.html
- https://baraha.com/main.php

This Couse can be opted as an elective by the students of following subjects:

सभी के लिए उपलब्ध (OPEN TO ALL)

प्रस्तावित सतत मूल्यांकन–

लिखित परीक्षा (वस्तुनिष्ठ/लघु उत्तरीय) **25 अंक**

Course prerequisites:

सभी के लिए उपलब्ध (OPEN TO ALL)

Suggested equivalent online courses:

....

Further Suggestions:

....

समाजशास्त्र (16)

(1)

DOCTOR OF PHILOSOPHY (Ph.D.) IN SOCIOLOGY

(Pre. Ph.D. Course Work Syllabus)

National Education Policy-2020

(Effective from the Academic Year 2022-23)

MME STRUCTURE				
Course	**Paper Title**	Theory	Credit	Max.
Code				Marks
CWSOC	**Sociological**	Theory	6	100
101	**Thinkers**			
CWSOC	**Indian**	Theory	6	100
102	**Sociological**			
	Thinkers			
CWSOC	**Social**	Theory	4	100
103	**Research**			
	Technique			
CWSOC	**Research**	Project/	Qualifying	100
104	**Project**	paper		
		Present ation		
				Total
	Total Credit		**16**	marks
				400

Dean, Faculty of Arts

Convenor, BOS (Sociology)

(14)

B. Format for developing syllabus for courses of a subject

Name of academic programme/class	Ph.D. Course Work		
Subject	SOCIOLOGY		
Course/paper code	CWSOC-101		
Course/paper title	Sociological Thinkers.		
Credit assigned	Theory	Practical	Total
	6	0	6
Course objective and outcomes	Objectives: 1-To make the students acquainted with all major sociological thinkers 2-to make enable to understand the views and thoughts of thinkers in Sociology 3-to enhance the knowledge about the theories given by the great sociologist both at macro level and micro level Course outcomes: 1-the course will develop the understanding of major fairies in Sociology 2-the capacity to proceed the views and thoughts of thinkers would increase 3-knowledge regarding the theories given by sociologist both at macro level and micro level will be developed		

Unit	Topic	Minimum no. of lecture
I	Classical Thinker : Auguste Comte and Herbert Spencer, Emile Durkheime, and Max Weber.	22
II	Thinkers of Structural Functionalism : Bronislaw Malinowski and A.R. Radcliffe Braun, Talcott Parsons and Robert Merton.	23
III	Thinkers of Micro Sociology: G.H. Mead and Herbert Blumer, Alfred Shutz and Harold Garfinkel.	22
IV	Thinkers of Neo-Functionalism: Jeffrey Alexander and Niklas Luhmann. Thinkers of Conflict Perspective: Karl Marx and Jurgen Habermas.	23

Course pre-requisites	To study this course, a student must have had the subject Sociology in PG class.
Suggested reading (mini. 4-5 reading) including digital plateform	पाण्डेय रवि प्रकाश समाजशास्त्रीय सिद्धान्तः अभिगम एवं परिप्रेक्ष्य हरिश्चन्द्र श्रीवास्तव आधुनिक समाज वैज्ञानिक सिद्धान्त परिचय रविन्द्र नाथ मुखर्जी उत्तर समाजशास्त्रीय सिद्धान्त सिंह, श्यामधर एवं सिंह, अशोक आधुनिक समाजशास्त्रीय सिद्धान्त दोषी, एस. एल. आधुनिकता, उततर–आधुनिकता एवं नव–समाजशास्त्रीय सिद्धान्त सिंह, भोला प्रसाद उत्तर–आधुनिकतावाद Turner, Jonathan H. Social Stratification : A Theoretical Analysis Turner, Jonathan H. The Structure of Sociological Theory Parsons, Talcott The Structure of Social Action The Constitution Giddens, Anthony of Society The Consequence of Modernity
Suggested equivalent online course	IGNOU & Other centrally/universities/ MOOC platforms such as "SWAYAM" in India and Abroad.
Further suggestions, if any	

3

B. Format for developing syllabus for courses of a subject

Name of academic programme/class	Ph.D. Course Work		
Subject	SOCIOLOGY		
Course/paper code	CWSOC-102		
Course/paper title	Indian Sociological Thinkers.		
Credit assigned	Theory	Practical	Total
	6	0	6
Course objective and outcomes	Objectives: 1-To develop better understanding about Indian sociological thought 2-To provide clean inside regarding major workshop Indian thinkers 3-To create knowledge relating to Indian society through sociological framework Course outcome: 1-Reading of this course will make clear insight of Indian sociological thought 2-Be able an understanding of major works of Indian thinkers 3-Indian society and social structure can be best understood with reading this paper		
Unit	Topic		Minimum no. of lecture
I	Radha Kamal Mukerjee: Biography, Main Books, Theory of Social Values. G.S. Ghurye: Biography, Main Books, Caste and Race in India.		22
II	D.P. Mukerji: Biography, Main Books, Tradition and Modern Indian Culture. Irawati Karve: Biography, Main Books, Kinship in India.		23
III	Louis Dumont: Biography, Main Books, Homo Hierarchicus. A.R. Desai: Biography Main Books, Social Background of Indian Nationalism.		22
IV	M.N. Sriniwas: Biography, Main Books, Sanskritization and Dominant Caste. Andre Beteille: Biography, Main Books, Theory of Inequality Stratification and Justice.		23
Course pre-requisites	To study this course, a student must have had the subject Sociology in PG class.		
Suggested reading (mini. 4-5 reading) including digital plateform	1 पाण्डेय प्रो. रवि प्रकाश, भारतीय सामाजिक विचार 2 आहूजा राम, भारतीय समाज 3 नागला बी.के. भारतीय समाजशास्त्रीय चिन्तन, रावत पब्लिकेशन्स, नई दिल्ली 4 महाजन, डॉ. धर्मवीर, भारतीय समाज के परिप्रेक्ष्य विवेक प्रककशन, जवाहर नगर दिल्ली। 5. Singh Yogendra, Modernization of Indian Tradition 'Thomson Press' Delhi. 6. Srinivas M.N., 1966, Social Change in Modern India, Allied Publication, Bombay. 7. Haralambos, M, Sociology Themes and Perspectives with Heald R.M. 8. Dumont L., 1970, Religion, Politics and History in India, Paris /The Houge Mounton. 9. Beteille, A., 1989, Are the Intelligentia as a Ruling Class" Economic and Political Weekly, 24(3) : 151-155. 10. Ghurey, G.S., 1963, The Scheduled Tribes Popular Prakashan, Bombay. 11. Bose N.K., 1975, The Structure of Hindu Society, Orient Longman, Delhi. 12. Marriott M., (eds.) 1961, Village India, Studies in the Little Community, Asia Publishing House, Delhi		
Suggested equivalent online course	IGNOU & Other centrally/universities/ MOOC platforms such as "SWAYAM" in India and Abroad.		
Further suggestions, if any			

4

B. Form~~at for developing syllabus for courses of a subject~~

Name of academic programme/class	Ph.D. Course Work		
Subject	SOCIOLOGY		
Course/paper code	CWSOC-103		
Course/paper title	Social Research Technique		
Credit assigned	Theory	Practical	Total
	4	0	4
Course objective and outcomes	Objectives : • It has been tried to develop the skill to conduct research independently. • To Impart the knowledge regarding each and every stages of research. • To inculcate the comprehensive knowledge of basic concepts like universe, sample, data collection and tabulation etc. Course Outcomes : • Development of Skills to conduct research independently. • Proper knowledge regarding all stages of research will be attained. • Comprehensive knowledge of basic concepts like universe, sample, data collection and tabulation etc. would be gained.		
Unit	Topic		Minimum no. of lecture
I	Nature of Social Research : Meaning, Definition, Techniques, Objective of Social Research Hypothesis, Research Question, Variables. Fundamental of Social Research. Area of the Study.Types, Steps of Social Research.		15
II	Social Fact, Concept and Theory, Development of Research Methodology, Social Causation, Scientific Method. Case study Method, Statistical Method, Experimental Method, Sampling Method, Social Survey.		15
III	Process of Collection of Data. Secondary Data. Collection of Primary Data : Interview, Questionnaire, Interview Schedule, Observation. Sociometry Scaling Techniques, Projective Techniques, Content Analysis.		15
IV	Classification and Tabulation of data. Measures of Central Tendency and Variability. Correlation, Graphic and Diagrammatic Representation of data. Generalization. Report Writing. Bibliography, Application of SPSS(Statistical Package for the Social Sciences) in Research, Plagiarism : A Crime		15
Course pre-requisites	To study this course, a student must have had the subject Sociology in PG class.		
Suggested reading (mini. 4-5 reading) including digital plateform	1. सिंह, बृजेश कुमारः सामाजिक शोध एवं सांख्यिकी 1. Elhance,D.N., Fundamental of Statistic . 2. Goon Gupta and Das Gupta, Fundamental of Statistic 3. Holl,P.P. Introduction of Statistical Analysis. 4. Golden,P.G. Methods of Statistical Analysis. 5. .An Introduction to the theory Statistic. 6. Shukla and Sahai,Statistical Reasoning in Social Sciences.		
Suggested equivalent online course	IGNOU & Other centrally/universities/ MOOC platforms such as "SWAYAM" in India and Abroad.		
Further suggestions, if any			

Dean, Faculty of Arts

Convenor, BOS (Sociology)